आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 151 मुद्रण तारीख » 1 जुलाई 2024 कुल पृष्ठ » 24

दो जिन्दगीयां
एक होते हुए

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांक : 31 अगस्त व 1 सितम्बर, 2024 | स्थान : सेवा महातीर्थ बड़ी, उदयपुर

दिव्यांगों की तकदीर बदलने में हमारी मदद करें

कृत्रिम अंग
5,000 रु.

Bank Name	:	State Bank of India
Account Name	:	Narayan Seva Sansthan
Account Number	:	31505501196
IFSC Code	:	SBIN0011406
Branch	:	Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe paytm

narayanseva@sbi

/narayansevasansthan /narayansevasansthan /nssudaipur /narayanseva_ /narayansevasansthan

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 151 मुद्रण तारीख » 1 जुलाई 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

06

11

14

16

19

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 July, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

परमार्थ ही धर्म

परमार्थ यानी परोपकार, दूसरों के जीवन की मुश्किलों में सहायक बनना। उनकी पीड़ा के निवारण में समय एवं अर्थ का दान करना।

सनातन परंपरा में जीवन के चार अंग बताए गए हैं। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। इनमें धर्म का पालन सर्वोपरि और सर्वश्रेष्ठ है। क्योंकि धर्म ही नहीं रहा तो अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति हो ही नहीं सकती। धर्म के भी विभिन्न उपांग है जिनमें परमार्थ भी शामिल है। यह एक ऐसा मार्ग है, जिसके माध्यम से न केवल धर्म का ठीक-ठीक पालन संभव है, बल्कि जीवन की तमाम समस्याओं का हल भी उसमें है। जीवन यापन की मुख्य आवश्यकताएं हैं:- अन्न,जल, वस्त्र और चिकित्सा। प्रकृति तो दोनों हाथों से प्रत्येक जीव को उसके पोषण की प्राकृतिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर ही रही है। भारतीय समाज में इसीलिए 'दान' पर जोर दिया गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि वस्तु चाहे स्वयं द्वारा अर्जित हो या कहीं से प्राप्त हुई हो, यदि आप पर निर्भर, निकटतम परिजन, भाई-बंधु, पड़ोसी अथवा वे लोग जो अभाव और दुःख में भी जी रहे हैं, तो हमारा प्रथम दायित्व उनका संबल बनना है। यही तो परमार्थ और पुण्य है। सेवा या दान छोटा-बड़ा नहीं होता। बड़ा और महत्वपूर्ण होता है, उसके पीछे का परोपकार भाव। एक निराश्रित अपंग बालक एक दिन विचारों में खोया सड़क किनारे बैठा था। तभी एक सज्जन आए और उसके हाथ की हथेली खोलकर उस पर एक सिक्का रख दिया। बालक ने तुरंत उन्हें लौटाते हुए कहा श्रीमान! मैं अपंग जरूर हूं, लेकिन परोमुखापेक्षी नहीं बनना चाहता। मैं यहीं सोच रहा था कि ऐसा क्या करूं कि स्वावलंबी और स्वाभिमानी जीवन जी सकूं। तभी व्यक्ति ने उसे अपने साथ चलने का प्रस्ताव दिया और उसे पढ़ा-लिखा कर इस योग्य बनने में मदद की वह अपंग होते हुए भी कुशल विमान चालक सेन्डर्स के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

बंधुओं! आपके अपने हादसों में अपने अंग बड़ी संख्या में इस संस्थान में जन्मजात पोलियो ग्रस्त बच्चों की सर्जरी तथा (हाथ-पैर) खो देने वालों की कृत्रिम अंग प्रतीक्षा सूची में आज भी बहुत भाई-बहन दर्ज हैं। संस्थान न केवल आपश्री के दान-सहयोग से ऐसे बच्चों की निःशुल्क सर्जरी व अत्याधुनिक कृत्रिम अंग उपलब्ध करवा रहे हैं, बल्कि उनके पुनर्वास में भी संलग्न हैं। उनके लिए विभिन्न स्वरोजगारपरक प्रशिक्षण चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा निराश्रित, प्रज्ञाचक्षु, विमंदित बच्चों की निःशुल्क शिक्षा, चिकित्सा, आवास की व्यवस्था कर उनके भविष्य को संवार रहा है। उनका घर-संसार बसा रहा हैं। इसी क्रम में आगामी 31 अगस्त - 1 सितंबर को 42वां निःशुल्क निर्धन एवं दिव्यांग युवक-युवती सामूहिक विवाह प्रस्तावित है। जिसमें आपश्री की उपस्थिति व सहयोग सादर प्रार्थनीय है। यह सब परमार्थ कार्य आपश्री की संवेदनशीलता एवं श्रद्धापूर्ण दान की महत्ता के ही प्रतीक हैं। जय नारायण!

–'सेवक' प्रशांत भैया

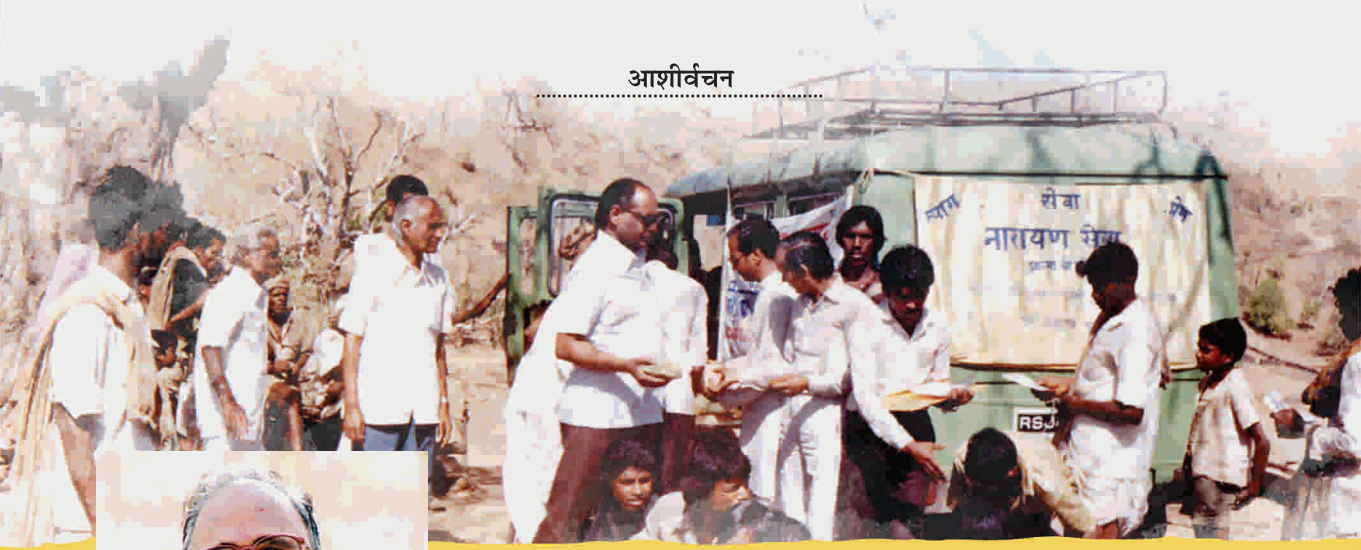

सेवाभाव, प्रभु का प्रसाद

सेवा मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है। सेवा के मूल में परदु:ख कातरता है, अर्थात दूसरों के दु:ख से द्रवीभूत हो जाना। दूसरों की पीड़ा जब अपनी ही लगने लगती है तो उसके निवारण के लिए हम सचेष्ट हुए बिना नहीं रह सकते।

–पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

संत कबीर के मतानुसार व्यक्ति के पास न धन और न बल हमेशा रहता है। इनकी बात तो छोड़िए व्यक्ति का नाम, ग्राम और पता-ठिकाना भी एक समय काल के गाल में समा जाता है। लेकिन किसी जरूरतमंद की मदद कर दी जाए तो व्यक्ति का यश चिर स्थाई हो जाता है। धन होने पर 'दान' करना अथवा अपने उपभोग में लाना ही उचित होता है, क्योंकि ऐसा न होने पर धन रोग, शोक और संताप का कारण बन जाता है।

वर्तमान में सर्व सुख-सुविधाओं से संपन्न व्यक्ति भी दु:ख का अनुभव कर रहा है, उसके जीवन में सुख, शांति और संतोष है ही नहीं। धन है, मकान है, दुकान है, व्यापार है, सरकारी-सामाजिक पद, प्रतिष्ठा सब कुछ है, लेकिन खुशी नहीं है। वह सुख की खोज में बाहर भटक रहा है, जबकि सुख, शांति का स्रोत उसके भीतर ही मौजूद है। कई लोग तो अपनों से दूसरों की तुलना करके ही दुखी हैं, जबकि जिससे तुलना की जा रही है उन्हें भी भीतर ही भीतर कोई दुख सता रहा है। सच्चा सुख और शांति यदि प्राप्त करनी है तो वह सेवा और सत्संग से ही मिल सकती है। सेवा प्रभु का प्रसाद है। जिसमें व्यक्ति का कल्याण निहीत है। 'सेवा' शब्द को किसी निश्चित परिभाषा या सीमा में नहीं बांधा जा सकता। वस्तुत: किसी भी व्यक्ति अथवा प्राणी को अपने किसी आचरण विशेष से सुख पहुंचाना ही सेवा है। जब हम दूसरों का भला सोचते या करते हैं, तब अप्रत्यक्ष रूप से हमारा भी भला हो जाता है। भला सोचते-सोचते भला करने की अर्थात दूसरों के साथ सद्व्यवहार और मदद करने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जो बाद में स्वभाव ही बन जाती है। आपके अपने इस संस्थान का ध्येय वाक्य भी 'सेवा बने स्वभाव' है। जो अपने लिए सुख, शांति, संतोष, मंगल और हित चाहता है, उसे दूसरों के लिए भी ऐसी ही सोच रखनी और उसे आचरण में लानी चाहिए। एक मानव के नाते हमारे जीवन का यही लक्ष्य होना चाहिए। आखिर सेवा है क्या? वह मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है। सेवा के मूल में पर दु:ख कातरता है, अर्थात दूसरों के दु:ख से द्रवीभूत को जाना। दूसरों की पीड़ा जब अपनी ही लगने लगती है तो उसके निवारण के लिए हम सचेष्ट हुए बिना नहीं रह सकते। यही परमार्थ अथवा परोपकार है। सेवा के भाव का उदय होना प्रभु का आशीर्वाद है। व्यक्ति का व्यक्तित्व समाज के दीन-दु:खी और वंचित वर्ग के सेवा-कार्यों में तन-मन-धन लगाने से खिलता है।

तीन ऑपरेशन से चंदनी बनी सकलांग

कम्प्यूटर प्रशिक्षण ने दी आत्मनिर्भरता

दोनों पांवों में विकृति के साथ जन्मी चंदनी यादव का 23 साल का सांसारिक सफर चुनौतियों से भरा रहा। दोनों पैर पंजे से मुड़े होने से लंगड़ाते-घिसटते चलने को मजबूर थी। इस दौरान पांवों पर जख्म भी पड़ गए। संस्थान ने दिव्यांगता को अत्याधुनिक सर्जरी के माध्यम से दूर कर इन्हें पैरों पर खड़ा किया।

बाराबंकी (उप्र) निवासी कमलेश यादव के घर लक्ष्मी स्वरूपा इस बेटी के जन्म पर खुशी की थाली तो बजी, लेकिन कुछ ही दिनों बाद दुःख ने भी डेरा डाल दिया। जब पता चला कि बेटी के दोनों पांव पंजों से मुड़े हुए हैं। परिजन नियती के इस फैसले के आगे मजबूर थे। अपना नसीब ही खोटा मान चंदनी की परवरिश में लग गए। पिता कमलेश ने आस-पास के कितने ही अस्पतालों में उपचार करवाया लेकिन कहीं से भी सार्थक उपचार नहीं मिला। इसी बीच उन्हें सोशल मीडिया से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क पोलियो सुधार ऑपरेशन के बारे में जानकारी मिली तो वे बेटी को 11 मार्च 2022 को उदयपुर स्थित संस्थान ले आए। जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने गहन जांचकर क्रमशः 19 मार्च, 22 अप्रैल और जून माह के अन्तिम सप्ताह में पैरों के तीन ऑपरेशन और पांच विजिंग कर चंदनी को केलीपर्स के सहारे अपने पांवों पर ना सिर्फ खड़ा किया बल्कि उसे समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु निःशुल्क त्रैमासिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण दे आत्मनिर्भरता की राह की ओर अग्रसर भी किया। चंदनी कहती है कि संस्थान ने मुझे एक नया जीवन दे आम लोगों की तरह चलने-फिरने का अवसर तो दिया ही, स्वरोजगार प्रशिक्षण से जोड़ कर मेरे भविष्य से अनिश्चितता कोहरा भी हटाया तथा परिवार को भी हौसला दिया है। संस्थान परिवार एवं दानदाताओं का खूब आभार।

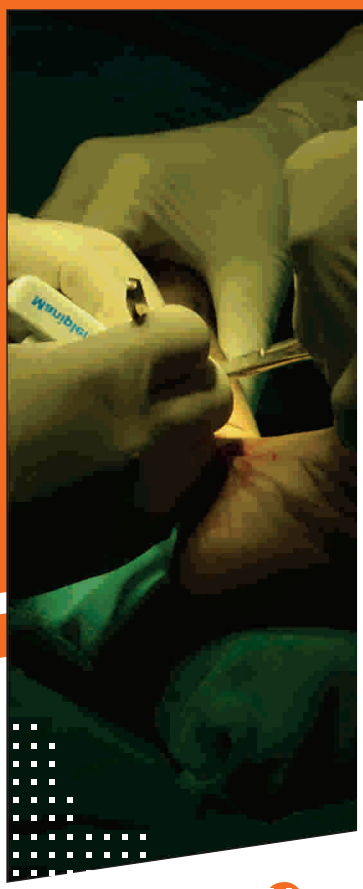

आलम की राह हुई आसान

जन्मजात पोलियो के कारण मोहम्मद अफसर आलम ना तो ठीक से खड़ा हो पाता और ना ही ठीक से चलने में समर्थ था। लेकिन अब उसे जिंदगी को जीने का हौसला मिला है।

गया (बिहार) निवासी मो. खुर्शीद आलम और हुकमी बेटे की दिव्यांगता को कुदरत का क्रूर कहर मानते हैं। सिसकते हुए बताते हैं कि 11 साल पहले जन्में बेटे का दांया पांव पंजे से पूरा मुड़ा हुआ होने से उसे चलने-फिरने में बहुत परेशानी होती थी। उसके उपचार हेतू हम हर उस जगह गए जहां लोगों ने उपचार के लिए उम्मीद की किरण दिखाई। गया में प्राइवेट हॉस्पीटल में ऑपरेशन भी करवाया, पैसा भी बहुत खर्च किया लेकिन लाभ नहीं मिला।

खुदा का लाख शुक्र है कि एक दिन सोशल मीडिया से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क पोलियो सुधार ऑपरेशन की जानकारी मिली तो बिना समय गवाएं जून 2023 में पहली बार संस्थान आए। जहां डॉक्टरों ने जांच कर आलम के दांए पांव का एक ऑपरेशन और चार बार 15 मई 2024 को विजिंग कर उसे अपने पैरों पर खड़ा किया। अब वह आराम से खड़ा होकर चलता है। आलम का कहना है कि मैं दोस्तों के साथ खेलने और खुद स्कूल आ-जा सकूंगा। माता-पिता बेटे को अपने पैरों पर चलते-फिरते देख बहुत खुश हैं, वे संस्थान का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं।

लौटी राधा की रूठी खुशियां

जन्मजात पोलियो का शिकार होने के कारण दोनों पांवों के पंजों में टेढ़ापन और पीछे की ओर मुड़े होने से चलने-फिरने में बहुत परेशानी होने लगी। दु:ख की यह दासता फरूखाबाद (उ.प्र) जिले के दीपपुर नगरिया, सिकंदरपुर खास निवासी राधा कश्यप (11) की है।

तीन भाई-बहिनों में राधा सबसे बड़ी है। जन्म से ही पोलियोग्रस्त होने से चलने-फिरने में असमर्थ थी। पिता रामपाल कश्यप व माता लीशा बेटी की यह दशा देख बेहद चिंतित थे। उन्होंने आगरा के एक प्राइवेट अस्पताल में 40-50 हजार रूपये खर्च कर ऑपरेशन भी करवाया। लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। पिता खेतों में मजदूरी कर पांच सदस्यीय परिवार का गुजारा बड़ी मुश्किल से चला रहे हैं। दिव्यांग बेटी की बढ़ती उम्र के साथ उसकी अक्षमता उनके लिए दिनों दिन परेशानी बढ़ा रही थी। स्कूल आने-जाने, सहेलियों के साथ खेलने,दैनिक कार्यों को करने में परेशानी के साथ राधा हीन भावना के कारण अवसाद में भी रहने लगी थी।

सितम्बर 2023 के बाद उसके उदास चेहरे पर तब खुशियां लौट आईं जब..... पिता रामपाल गाँव के एक व्यक्ति की सलाह पर बेटी को लेकर 25 सितम्बर 2023 को नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर आए। जहां चिकित्सकों ने 28 सितम्बर को दांए पांव व 19 नवम्बर 2023 को बांए पांव का ऑपरेशन किया। दोनों पैरों के सफल ऑपरेशन के पश्चात चिकित्सकों द्वारा लाभकारी विजिंग कर विशेष जूते पहनाए। करीब 9 माह के सफल चिकित्सा प्रयासों के बाद राधा के जीवन में खुशियों ने दस्तक दी। उसके जीवन से अंधियारा मिट चुका था। अब बिना किसी सहारे वह आराम से चलती है। उसे चलते-फिरते देख माता-पिता के आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। पूरा परिवार बहुत प्रसन्न है।

मिनसर को मिला नया जीवन

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बिकिहाकोला शहर निवासी एस.के. मिनसर ने 34 वर्ष की दिव्यांगता से राहत पाकर सक्रिय जीवन में प्रवेश किया। जन्म से ही इनका दांया पांव घुटने के नीचे से पीछे की ओर मुड़ा एवं बिना हड्डी के मांस का लोथड़ा मात्र था। इस स्थिति में लम्बे समय से संघर्षपूर्ण जीवन जी रहे मिनसर के साथ उनके परिजन भी बहुत दुःखी थे। नियति के आगे मजबूर मिनसर नसीब को उलाहना देते हुए जिन्दगी को बोझ मानकर ढो रहे थे कि एक दिन सोशल मीडिया से नारायण सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क लिंब वितरण के बारे में जानकारी मिली। मिनसर ने संस्थान से संपर्क किया और 20 मई 2024 को वे उदयपुर स्थित संस्थान पहुंचे। जहां प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक विशेषज्ञों ने इनके पैर की जांच की और एक विशेष कृत्रिम पैर बनाया। 26 मई 2024 को यह विशेष नारायण कृत्रिम पैर मिनसर को पहनाया गया। कुछ दिन वे यहीं रहकर कृत्रिम पैर पर खड़े होने व चलने का अभ्यास करते रहे।

मिनसर अब बिना किसी सहारे के कृत्रिम पैर पर आराम से चलते हैं। वे मानते हैं कि उनके जीवन में यह बदलाव उनके और उनके परिवार के लिए अत्यंत सुखदायी है। परिजन कहते हैं कि संस्थान की इस महत्वपूर्ण मदद से मिनसर को नई जिंदगी मिली है, जिससे वे बेहतर ढंग से जीने में सक्षम हो पाए हैं।

इंदौर, खण्डवा व पुणे में 1500 दिव्यांगजन कृत्रिम अंग से लाभान्वित

165 का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए भी चयन

पिछले दिनों इन्दौर, पूणे व खण्डवा में संस्थान की ओर से निःशुल्क कृत्रिम अंग - केलिपर माप, वितरण तथा दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए वृहद चयन शिविर सम्पन्न हुए जिनमें 1500 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए।

इंदौर (मप्र.) के माणिक बाग में 2 जून को निःशुल्क कृत्रिम अंग माप एवं दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए चयन शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 1300 से अधिक दिव्यांगजन पहुंचे। इनमें से 911 का कृत्रिम हाथ-पैर एवं कैलीपर्स लगाए जाने के लिए चयन कर माप लिया गया। उदयपुर में दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए 135 का भी चयन किया गया। दो माह बाद पुनः इंदौर में शिविर आयोजित कर चयनित दिव्यांगों के कृत्रिम अंग व कैलीपर्स लगाए जाएंगे।

शिविर का उद्घाटन करते हुए मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट ने कहा कि संस्थान पीड़ित मानवता की ऐसी सेवा कर रहा है,जो ईश्वर की पूजा के समान है। नर को नारायण मान कर की जा रही सेवाओं में मध्यप्रदेश सरकार जो भी सहायता संभव होगी, जरूर करेगी। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने मुख्य अतिथि श्री सिलावट, विशिष्ट अतिथि सर्राफा व्यापार संघ के अध्यक्ष श्री अनिल रांका, सीनियर सिटीजन क्लब के अध्यक्ष श्री चन्द्रकुमार फतेहपुरिया व श्री पारस कटारिया का स्वागत-सम्मान करते हुए उन्हें संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। शिविर में मंचासीन अतिथियों सर्वश्री यश कुमार, प्रकाश बटेवर, वीरेन्द्र जैन, राम एरन, अशोक सोजतिया, मनीष यादव, शीला तयमकर, डॉ. रामचंद्र माहेश्वरी व गौरव आनंद का गंगोत्री विभाग के प्रभारी रजत गौड़ व पीआरओ भगवान प्रसाद गौड़ ने स्वागत-सम्मान किया।

खण्डवा – कल्याणगंज स्थित रोटरी भवन में 5 मई को रोटरी क्लब खण्डवा व रोटरी क्लब एवं सागर फिनिक्स के सहयोग से नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 132 दिव्यांगजन को 144 कृत्रिम हाथ-पैर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि जिला जेल अधीक्षक श्री ललित दीक्षित थे। अध्यक्षता उप अधीक्षक (यातायात) श्री आनंद सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. शरद अग्रवाल, श्री भूपेन्द्र सिंह खडपुरे, श्री भूपेश पटोरी, श्री रोहित मेहता, श्री अभिषेक गुप्ता व श्री सतनाम सिंह होरा थे।

NARAYAN SEVA
UDAIP

NARAYAN
LIMBS &
CALIPERS

NARAYAN
LIMBS &
CALIPERS
can transform lives

पूणे में 500 दिव्यांग लाभान्वित

पूणे के अल्प बचत भवन में 9 जून को शिविर आयोजित हुआ। शिविर का उद्घाटन पूर्व वाईस चीफ एयर मार्शल श्री भूषण जी गोखले, रामा हॉस्पिटल के श्री राहुल जी, विश्व हिंदू परिषद के श्री हेमेंद्र जी जोशी, श्री अविनाश जी साल्वे, श्री मनोज जी अग्रवाल व संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्री गोखले जी ने कहा कि संस्थान की निःशुल्क सेवाएं सही मायने में नारायण की सेवा है। मैं संस्थापक पद्मश्री श्री कैलाश जी मानव व अध्यक्ष प्रशांत जी की इसके लिए भरपूर सराहना करता हूँ।

प्रारम्भ में संस्थान अध्यक्ष सेवक भैया जी ने मुख्य अतिथि, मंचासीन अतिथियों व समाज सेवी सर्वश्री मयूर अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, सतीश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, जगदीश प्रसाद अग्रवाल व प्रह्लाद आहूजा का मेवाड़ी परंपरा से सत्कार किया। उन्होंने संस्थान की 39 वर्षीय सेवाओं की जानकारी देते हुए आगामी 5 वर्ष का विजन प्रस्तुत किया और महाराष्ट्र में इस वर्ष 1100 से ज्यादा दिव्यांगजन के नारायण लिंब लगाने की घोषणा की।

शिविर में रामा हॉस्पिटैलिटी, यशस्वी ग्रुप, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन,राउंड टेबल

इण्डिया, इंटरनेशनल वैश्य फैडरेशन, लायंस क्लब ऑफ पूणे, अग्रसेन, रोटरी क्लब इंटरनेशनल, जय शिवराय प्रतिष्ठान, विप्र फाउंडेशन, अरोड़ा अग्रवाल समाज, अखिल भारत कृषि गौ सेवा संघ, विश्वकर्मा वंशीय समाज संघठन, महाराष्ट्र राज्य, अग्रवाल संघठन विश्रांतवाडी, ओम महावीर सोसायटी यरवदा, पिपरी चिंचवड़ जैन महासंघ,श्री गोडवार सिरवी क्षत्रिय समाज,समस्त राजस्थानी समाज संघ, रोटरी क्लब ऑफ डायमेनिक, भोसरी,क्वालिटी पेंट्स, निर्मला धुले प्रतिष्ठान, न्यू आर्या फाउंडेशन, श्री आरोग्य लक्ष्मी क्लिनिक आयुर्वेद एंड पंचकर्म सेंटर, अक्षय विकास प्रतिष्ठान,भगवान परशुराम जन सेवा समिति, श्री सारस्वत समाज ट्रस्ट पुणे सहित 25 से अधिक स्वंय सेवी संघठनों ने सेवाएं दी। शिविर में 500 से ज्यादा दिव्यांग आए जिनमें से 330 का नारायण लिंब और केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया। करीब 30 दिव्यांगजन का चयन शल्य चिकित्सा हेतु भी किया।

शिविर प्रभारी रोहित तिवारी थे। पूणे सहित अमरावती, नासिक, जलगांव, जालना, औरंगाबाद, अहमदनगर, कोल्हापुर आदि दूरस्थ जिलों से आए दिव्यांगजन को निःशुल्क भोजन, चाय, अल्पाहार प्रदान किया गया।

दिव्यांगों के करतब से मंत्रमुग्ध कोलकाता

संस्थान का दिव्य हीरोज - 2024 दिव्यांग टैलेंट एंड फैशन शो 19 मई को कोलकाता के अलीपुरा स्थित धोनो धान्यो ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। शो में भाग लेने वालों में कोई दोनों पांव से, कोई एक पैर के सहारे, कोई एक हाथ, तो कोई वैशाखी व व्हीलचेयर पर था लेकिन जोश और जुनून हर कलाकार का सातवें आसमान पर था। इन प्रतिभाशाली दिव्यांग कलाकारों ने हर एक का मन मोह लिया। इनकी होसला अफजाई के लिये ऑडिटोरियम में 500 से ज्यादा अतिथि-दर्शक मौजूद थे। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इन दिव्यांग बंधु-बहिनों में शारीरिक विकृति है पर ये मन से बड़े मजबूत हैं। ये समाज और अन्य दिव्यांगों के लिये प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग कलाकारों को पहचान दिलाने और आत्मनिर्भर बनाने में संस्थान संकल्पित है। अब तक 350 से ज्यादा दिव्यांग कलाकारों को मंच मिल चुका है। उन्होंने प. बंगाल के सिलिगुड़ी में वृहद दिव्यांग सहायता शिविर आयोजित करने के अलावा क्षेत्र के 1000 दिव्यांगों को सशक्त बनाने की घोषणा की। संस्थान अध्यक्ष ने कोलकाता शाखा कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सर्वश्री प्रमोद

कुमार जी, धर्मचंद जी भंडारी, विकास जी जायसवाल, रामसूरत जी जायसवाल व विकास जी जायसवाल को पद की शपथ दिलाई।

दीप प्रज्जवलन और गणेश वंदना से शुरू हुए टैलेंट शो में वेस्ट बंगाल के शुभम और उनकी टीम, व्हीलचेयर पर करतब दिखाने वाले एमपी के जगदीश पटेल और गुजरात के कमलेश पटेल ने सोलो डांस, स्टंट और नृत्य की अद्भुत प्रस्तुतियां दी। जगदीश ने दस फीट ऊंचे पोल पर चढ़कर मां भारती को सलामी देकर सभी में देशभक्ति की अलख जगा दी। नारायण आर्टिफिशियल लिंब पहने राजस्थान की पलक सिंह के लोकनृत्य ने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया। संस्थान द्वारा नारायण लिंब से लाभांवित दिव्यांगों ने राधा-कृष्ण नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। ये सभी दिव्यांग संस्थान में रोजगारोन्मुख ट्रेनिंग लेकर आत्मनिर्भर भी बने हैं। शो के दौरान दिव्यांग बच्चों ने रैंप वॉक कर अपने अनुभवों को साझा किया। ऑडिटोरियम का वातावरण दिव्यांगों के आत्मविश्वास, हुनर और हौंसलों से सराबोर था। आयोजन का समापन श्री रामअवध जी जायसवाल के आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वयं से साक्षात्कार

संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवामहातीर्थ में त्रिदिवसीय 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम (5 से 7 जून) सम्पन्न हुआ। दिव्यांगजन से मुखातिब संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि अपनी असफलताओं का दोष किसी और पर डालने की बजाय आत्म निरीक्षण करें। उसीसे सफलता की राह निकलेगी। कार्यक्रम में निःशुक सर्जरी, कृत्रिम हाथ-पैर व कैलीपर लगवाने के लिए देश के विभिन्न भागों से आए दिव्यांगजन व उनके परिजनों ने अपनी समस्याओं व जिज्ञासाओं को रखा। भैया ने कहा कि परिवार में सुख - शांति व समृद्धि के लिए बुजुर्गों की देखभाल व उनका सम्मान जरूरी है, यह हमारी परम्परा भी है। बुजुर्ग हमारे घर के देवता हैं। लेकिन आज भौतिकता और आधुनिकता की अंधी दौड़ में परिवार टूट रहे हैं, जिससे न केवल वृद्धजनों को तकलीफ हो रही है बल्कि बच्चों की संस्कार युक्त परवरिश पर भी उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जीवन में नवाचार और परमार्थ जरूरी है क्योंकि ये जीवन निर्माण के आधार स्तम्भ हैं।

मनुष्य की जैसी दृष्टि होगी वैसी ही सृष्टि वह देख पाएगा। विकास के लिए टेक्नोलॉजी आवश्यक है, लेकिन जिस तरह हम सेलफोन में सारा दिन खपा कर आगे बढ़ने के अपने ही रास्ते रोक रहे हैं, वह ठीक नहीं है।

आवश्यक : भैया

सोशल मीडिया का अपना महत्व है किन्तु उसके दुरूपयोग से बचना भी जरूरी है। परिवारों में रिलेशनशिप, प्री-वेडिंग जैसी बुराइयों को रोकने की कोशिश करेंगे तो सामाजिक और पारिवारिक परिवेश शुद्ध-बुद्ध रहेगा। हमें अपने महापुरूषों और समृद्ध परम्पराओं से सीखने की आवश्यकता है। प्रतिदिन 4 से 7 बजे तक हुए इस कार्यक्रम का संस्कार चैनल पर प्रसारण हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन भैया ने कहा कि लोग प्रायः भाग्य को दोष देते हैं, जब कि वे अपने कर्मों का फल भोग रहे होते हैं। जीवन में जो भी घटित हो रहा है, उसकी जिम्मेदारी जब व्यक्ति अपने पर लेने लगेगा, सफलता तभी से उसके द्वार पर दस्तक देना शुरू कर देगी।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति स्वयं से साक्षात्कार कर अपनी कमियों को पहचाने और ध्यान लगाकर उन्हें दूर करें। जीवन में बदलाव के लिए यह बहुत जरूरी है। कार्यक्रम के तीसरे और अन्तिम दिन भैया ने कहा कि नर में नारायण के सहज दर्शन के लिए सेवा का पथ सबसे सरल है। घर से निकलते वक्त संकल्प करें कि अपने दैनन्दिन कार्य के साथ दूसरों की सेवा का भी कोई एक कार्य तो जरूर करेंगे। धन या पद से मानव बड़ा नहीं होता। जिसने क्रोध, हिंसा, अहंकार का त्याग कर वाणी में संयम और व्यवहार में प्रेम को अपना लिया वही मानव है। कार्यक्रम का संयोजन महिम जैन ने किया।

पहल
प्रचंड गर्मी : आहत को राहत

मई-जून की चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में जब लोग घरों में थे या उससे बचाव के अनेक तरह के जतन कर रहे थे, ऐसे समय में चौराहों पर तैनात पसीने तरबतर पुलिसकर्मी मुस्तैदी से अपनी सेवाएं दे रहे थे, न कहीं छांव न ठांव। उनकी इस समस्या के निवारण में नारायण सेवा संस्थान ने पहल की। उदयपुर जिला पुलिस प्रशासन को 150 छाते, चश्मे और दस्ताने उनके लिए उपलब्ध कराए।

भक्ति का सरल मार्ग परमार्थ

संस्थान के सेवामहातीर्थ परिसर में 1 जून को सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति हुई। बालाजी धाम, आगरा के सन्त भागवताचार्य पूज्य श्री अरविंद जी महाराज ने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में सब समस्याओं को स्वयं निमंत्रण देता है और प्रभु से उम्मीद रखता है कि वे उनका समाधान करें। वे सब पर कृपा करते हैं, परम दयालु हैं, मार्ग बता भी देंगे। किन्तु क्या हम कभी उनके बताए मार्ग पर चल भी पाए हैं? उन्होंने कहा कि समस्याओं के निदान का एक ही उपाय है, श्री हरि का स्मरण। उनके स्वरूप, गुण और नाम के जाप व श्रवण में ही जीवन का कल्याण है। श्री अभिषेक भाई महाराज ने कहा कि ईश्वर को प्रसन्न करने का सबसे सटीक मार्ग परमार्थ है। जीवन इसलिए नहीं है कि हम तेरा-मेरा करते हुए ही अपने दिन पूरे कर लें। उन्होंने जगत कल्याण के लिए प्रभु के विभिन्न अवतारों का जिक्र करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत एक कल्पवृक्ष के समान है, जिसके आश्रय में जीवन का कल्याण निश्चित है। संचालन महिम जैन ने किया। व्यवस्था में कैलाश सालवी ने सहयोग किया। भागवत कथा सप्ताह का आयोजन दिव्यांगों की सहायतार्थ व विश्व कल्याण के निमित्त किया गया। जिसका सत्संग चैनल के माध्यम से लाखों धर्म प्रेमियों ने भी लाभ लिया। कथा परायण से पूर्व संत द्वय ने संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया से भेंट की।

प्रभु स्मरण व स्तुति से ही कल्याण

श्रीमद्भागवत एवं श्री रामकथा मर्मज्ञ पूज्य डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी महाराज ने कहा कि प्रभु अपने भक्तों के पुकारने पर उन्हें दर्शन देने नहीं बल्कि उनके दर्शन के लिए आते हैं। पूर्ण समपर्ण और पवित्र दृष्टि से उनके दर्शन सहज हो सकते हैं। महाराज श्री ने भगवान के विविध लीला प्रसंगों की व्याख्या करते हुए कहा कि अत्यन्त कष्ट एवं भयदायी परस्थिति में उनके स्मरण, कीर्तन और स्तुति मात्र से विषम स्थितियों से छुटकारा पाया जा सकता है।

महाराज श्री सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा व्यास पीठ से भक्तों को सम्बोधित कर रहे थे। दिल्ली के इंद्रप्रस्थ विस्तार स्थित राधाकृष्ण कुंज सभागार में 19 मई से प्रारम्भ इस कथा ज्ञान यज्ञ की 25 मई को मुख्य यजमान श्री तरूण जी गुप्ता परिवार के सानिध्य में पूर्णाहुति हुई। सातों दिन अपराह्न 4 से 7 बजे तक कथा का 'संस्कार' चैनल के माध्यम से देशभर में प्रसारण भी हुआ।

झीनी झीनी रोशनी–62

उदयपुर बड़ा शहर था, कहां रहेंगे, कोई मकान मिलेगा या नहीं, हालांकि उदयपुर में पांचूलाल वरदीचन्द की प्रतिष्ठित फर्म के दीपलाल अग्रवाल उनके बड़े भाई के श्वसुर थे, उनसे जरूर किसी न किसी तरह की मदद मिल जायेगी वगैरा-वगैरा चिन्ताओं-विश्वासों में डूबते-उतरते हुए वे 11 नवम्बर 1979 को उदयपुर पहुँचे। कैलाश जी के पास श्री आर.एल. गुप्ता का भी पता था जो उन्हें जयपुर से मिला था। वे यहां जे.ओ.ए. थे। कैलाश जी को बताया गया कि एक बार तो इनके यहां जाकर ठहर जाना, बाद में कुछ न कुछ व्यवस्था हो ही जायेगी। उदयपुर आते ही कैलाश जी आर.एल. गुप्ता जी के घर ही पहुँचे। वे अत्यन्त सहृदय और भले व्यक्ति थे। कैलाश जी अपने साथ किताबों की चार बोरियां भर कर लाए थे। परिवार को उन्होंने भीण्डर छोड़ दिया था। बोरियां बस के उपर चढ़ा दी थी। गुप्ता इन बोरियों को देख कर आश्चर्य में पड़ गये। उनका आधा कमरा तो इन्हीं से भर गया था।

कैलाश जी की नियुक्ति दूरसंचार विभाग में हुई थी। यहां उन्हें विकल्प दिया गया कि डाक विभाग में रहना है या टेलीफोन विभाग में। कैलाश जी ने टेलीफोन विभाग चुना। आठ दस रोज गुप्ता के घर रहने के बाद हिरण मगरी से. 5 में किराये का मकान मिल गया। कार्यालय उनके घर से काफी दूर बी.एन. कॉलेज के सामने था। अब तक तो वह जहां-जहां भी रहे घर ही उनके कार्यालय होते या घर कार्यालय के बीच कोई खास दूरी नहीं होती मगर यहां कार्यालय जाना एक समस्या बन गया। उसका एक ही निदान था कि स्वयं की साईकिल हो। पैसे इतने उनके पास थे नहीं कि वह खुद की साईकिल खरीद सके। उदयपुर में साईकिलों की कई दुकानें थी, वह सोच रहे थे कि यदि उन्हें कोई दुकानदार किश्तों पर साईकिल दे दे तो उनकी समस्या हल हो सकती है अन्यथा पैदल ही जाना पड़ेगा। ऑफिस के आसपास कोई मकान खाली नहीं मिला, कहीं मिला भी तो किराया इतना अधिक था कि उनके बूते से बाहर था।

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गोरेगांव/हरियामाली (सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव (पाली)

प्रेरणा स्त्रोत

स्व. आचार्य श्रीराम जी शर्मा एवं भगवती देवी जी

स्व. श्री मदन लाल जी एवं मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के परम संरक्षक श्री रमेश भाई चावड़ा (यू.के.)

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इनोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा,मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल
ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी,
मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस,
दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम,
डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर
आलम बाग, लखनऊ

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़
(पिन कोड - 160047)

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298,
वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास,
वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718
08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156
07023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क
फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स
कॉलोनी,नियर पानी की टंकी
के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक
सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला
मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

एक बार सेवा का मौका
अवश्य देवें-श्रीमान्

Tel. : +91 294 6622222
+91 7023509999
E-mail: narayanseva.org

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

narayanseva@sbi

कन्यादान (एक दिव्यांग कन्या)
₹ 1,00,000

मायरा सहयोग
₹ 51,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

भोजन सहयोग
₹ 11,000

मेहंदी और हल्दी रस्म (प्रति जोड़ा)
₹ 5,100

Seva Soubhagya Print Date 1 July, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-